[22/12/2022]

प्रश्न सं. [क. 1306]

(1/2)

परिशिष्ट 1/1

प्रपत्र "अ"

विधान सभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1306
द्वारा माननीय विधायक श्री संजय उईके

सदन मे उत्तर - 22-12-2022

ई.आर.पी. परियोजना कार्य में विलम्ब के कारणों का विवरण निम्नानुसार है :-

वर्ष 2012 में अनुबंधित मेसर्स व्यामटेक फर्म द्वारा कार्य नियत समय सीमा में पूर्ण ना किये जाने के कारण वर्ष 2014।में निरस्त करना पड़ा | अत: परियोजना का क्रियान्वयन अनुबंधित फर्म के कार्य ना कर पाने के कारण प्रभावित हुआ | वर्ष 2015 में परियोजना के पुनः क्रियान्वयन हेतु नए सलाहकार मेसर्स डेलोइट को नियुक्त किया | तत्पश्चात मेसर्स डेलोइट द्वारा परियोजना का उस समय की उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए पुनर्मूल्यांकन किया गया | इस परियोजना को 'ई-जेनको' नाम दिया गया तथा कंपनी के संचालक मंडल द्वारा जून 2016 में सम्पूर्ण परियोजना की पुनरिक्षित लागत 116 करोड़ रूपए को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई|

प्रारंभ में ईआरपी सिस्टम के क्रियान्वयन हेतु ओ.ई.एम्. आधारित निविदा अप्रैल 2017 में जारी की गयी थी परन्तु किसी भी ओ.ई.एम्. की प्रतिक्रिया न होने के कारण इसे निरस्त कर पुनः सिस्टम इंटीग्रेटर आधारित निविदा आमंत्रित की गयी | जिसमे दो निविदाएं प्राप्त हुई परन्तु बोली राशि (Bid) का आंकलित (Estimated) मूल्य से काफी अधिक होने के कारण मार्च 2019 में इस निविदा को निरस्त कर परियोजना लागत पुनः निर्धारित कर पुनः निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की गयी | तदुपरांत लागत का पुनर्निर्धारण कर परियोजना प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने के उपरांत प्रतिवेदन को म प्र शासन के उपक्रम मैप -आईटी द्वारा समीक्षा की कार्यवाही की गयी | मैप -आईटी से प्राप्त हुई अनुशंसा को परियोजना प्रतिवेदन में समायोजित करने के बाद संचालक मंडल के अनुमोदन के लिए दिसम्बर 2019 में प्रस्तुत किया गया| अनुमोदन प्राप्त करने के उपरांत ईआरपी के लिए निविदा जून 2020 को आमंत्रित की गयी, जिसमे 3 निविदकर्ताओं द्वारा निविदा जमा की गयी जिसे दिनाक 27 जनवरी 2021 में खोला गया | तत्पश्चात ईआरपी सिस्टम को बनाने हेतु फरवरी 2022 में मेसर्स Accenture को रु. 120.86 करोड़ का कार्यादेश जारी किया गया | यहाँ यह उल्लेखनीय है कि कोविद 19 के कारण भी परियोजना में विलम्ब हुआ | वर्तमान में ई.आर.पी. इंटरप्राइजेज रिसोर्स प्लानिंग हेतु मेसर्स Accenture को दिए गए कार्यादेश के अनुसार कार्य प्रगति पर है एवं इसका पायलट गोलाइव मार्च2023 और रोल आउट/ ऑपरेशनल एक्सेप्टेंस सितम्बर 2023 में प्रस्तावित है |

अनुभाग अधिकारी
ऊर्जा विभाग, म.प्र. शासन
भोपाल

(2/2)

1/1

प्रपत्र "ब"

विधान सभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1306
द्वारा माननीय विधायक श्री संजय उईके

आल्टरनेट कोल पाथ लगने के पूर्व के डेमरेज चार्ज				आल्टरनेट कोल पाथ लगने के पश्चात के डेमरेज चार्ज			
माह एवं वर्ष	कुल खाली की गयी रेक	कुल डेमरेज योग्य समय (घंटे)	डेमरेज की कुल राशि (लाख रुपए में)	माह एवं वर्ष	कुल खाली की गयी रेक	कुल डेमरेज योग्य समय (घंटे)	डेमरेज की कुल राशि (लाख रुपए में)
Dec-20	59	52	4.49	Dec-21	37	241	21.03
Jan-21	60	41	3.56	Jan-22	43	145	12.76
Feb-21	52	39	2.55	Feb-22	46	58	4.93
Mar-21	58	35	3.05	Mar-22	40	119	10.33
Apr-21	48	132	11.19	Apr-22	32	81	9.48
May-21	46	263	23	May-22	52	72	18.8
Jun-21	10	260	30.91	Jun-22	49	88	23.13
Jul-21	25	200	29.81	Jul-22	43	66	17.55
Aug-21	29	250	26.02	Aug-22	42	21	5.19
Sep-21	20	197	13.44	Sep-22	38	65	9.58
Oct-21	29	147	10.68	Oct-22	45	23	3.87
Nov-21	33	194	19	Nov-22	58	48	10.34
योग	469	1810	177.70	योग	525	1027	146.99

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि वेगन टिपलर के अल्टरनेटिव पाथ निर्माण उपरान्त रेल्वे के लगने वाले डेमरेज चार्ज में उत्तरोत्तर कमी आयी हैं। उल्लेखनीय है कि रेलवे द्वारा डेमरेज चार्ज अप्रैल 2022 से विगत वर्षों की तुलना में तिगुना दर से अधिरोपित किया जाना निश्चित किया गया है, जिससे वर्तमान वर्ष में डेमरेज चार्ज में डेमरेज योग्य समय काम होने के बाद भी अपेक्षित कमी होना परिलक्षित नहीं हो रहा है।

इसके अतिरिक्त रेक अंनलोडिग में अधिक समय लगने से अधिक डेमरेज चार्ज लगने के विभिन्न कारण होते हैं, जो निम्नानुसार है:-

01. कोल इंडिया द्वारा प्रदाय किये गये कोयले का आकार 250 एम.एम. या उससे अधिक होने पर।
02. वर्षाकाल के दौरान मिट्टी एवं किचड युक्त कोयला प्राप्त होने पर।
03. उपरोक्त बिन्दु क्र0 01 एवं 02 परिस्थितियों की वजह से कोल हस्तांरण संयंत्र के उपकरण में टूट-फूट के कारण संयंत्र का संचालन अवरोध होना तथा रैक अनलोड़िंग कार्य रूक जाना।
04. रेल्वे द्वारा दंडात्मक डेमरेज चार्जेस दोगुना, तिगुना लगाने पर।

अनुभाग अधिकारी
ऊर्जा विभाग, म.प्र. शासन
भोपाल